DR. RANJEET KUMAR

Dept. Of History

H. D. Jain College Ara

M.A , sem.- 2, CC-7, unit-5

बिहार का इतिहास (History Of Bihar)

1. परिचय

बिहार भारत के पूर्वी हिस्से में स्थित एक ऐतिहासिक राज्य है। इसका नाम "विहार" शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ है बौद्ध विहार या मठ-मंदिर। यह क्षेत्र भारतीय इतिहास की एक प्रमुख संस्कृति का केंद्र रहा है और यहां से कई प्राचीन सभ्यताएँ, विचारधाराएँ और साम्राज्य भारत तथा विश्व को प्रभावित हुए हैं।

राजधानी आज पटना है। बिहार की सीमा उत्तर में नेपाल, दक्षिण में झारखंड, पश्चिम में उत्तर प्रदेश और पूर्व में पश्चिम बंगाल से मिलती है। जम्मू-कश्मीर से लेकर दक्षिण भारत तक के इतिहास में बिहार का योगदान महत्वपूर्ण रहा है।

---

2. प्राचीन काल

2.1 वैदिक काल

प्राचीन काल में बिहार का हिस्सा वैदिक संस्कृति का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र था। **1500** ईसा पूर्व से आर्यों के आगमन के बाद यह क्षेत्र मगध, विदेह और अंग जैसी महाजनपदों से जुड़ा था। विदेह का प्रमुख राजा जनक माना जाता है और मिथिला उस समय का एक सांस्कृतिक केंद्र था।

2.2 महाजनपद काल (600–300 ई.पू.)

लगभग **6**वीं शताब्दी ईसा पूर्व तक बिहार में **16** महाजनपदों का उदय हुआ। इनमे से मगध, अंग, अवंती, और वैशाली प्रमुख थे। वैशाली विश्व का पहला गणतंत्र माना जाता है, जहां नागरिकों के प्रतिनिधि शासन के निर्णय लेते थे।

2.3 बुद्ध और जैन धर्म का उद्भव

बिहार बुद्ध और महावीर जैसे महान धर्मगुरुओं का जन्मस्थल रहा है। भगवान बुद्ध ने ज्ञान की प्राप्ति के बाद बौद्ध धर्म की स्थापना की। इसी भूमि पर भगवान महावीर ने जैन धर्म का प्रचार किया। यह दोनों धर्म उत्तर भारत में पुनः सामाजिक और दार्शनिक बदलाव लाने वाले रहे।

3. महान सम्राज्य और पाटलिपुत्र का उदय

3.1 मगध साम्राज्य

मगध ने महत्वपूर्व सत्ता के रूप में उभरते हुए बड़े-बड़े साम्राज्यों का रूप धारण किया। राजगीर मगध का सबसे पहला महत्वपूर्ण केंद्र था, बाद में राजधानी पाटलिपुत्र (अब पटना) बनी।

3.2 महान मौर्य साम्राज्य (322–185 ई.पू.)

चंद्रगुप्त मौर्य ने मौर्य साम्राज्य स्थापित किया, जिसने भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे विशाल साम्राज्य बनाया। उसके पुत्र सम्राट अशोक ने शासन किया और बौद्ध धर्म को अपनाया। अशोक के समय में बौद्ध धर्म का प्रचार पूरे एशिया में फैला।

3.3 गुप्त साम्राज्य (4वीं–6वीं सदी ई.पू.)

गुप्त साम्राज्य को भारत का "सोने का युग" कहा जाता है। कला, विज्ञान, भाषा, और संस्कृति यहाँ उच्चतम स्तर पर पहुँची। बिहार और इसके आसपास के क्षेत्रों में शिक्षा, साहित्य और विज्ञान का उत्कर्ष हुआ।

---

4. मध्यकाल

4.1 मुस्लिम शासन और नोहानी वंश

लगभग 1200 ईसवी से भारत में मुस्लिम सत्ता का विस्तार शुरू हुआ। बिहार इस दौरान बंगाल सुल्तानत और बाद में मुगल साम्राज्य का हिस्सा बना। 1500 के दशक के आसपास नोहानी राजवंश ने कुछ समय तक शासन किया, लेकिन 1532 में मुगल सम्राट हुमायूँ ने इसे समाप्त कर दिया।

4.2 हल्दीघाटी, संघर्ष और क्षेत्रीय सत्ताएँ

इस समय बिहार में कई स्थानीय राजपूत तथा क्षेत्रीय सत्ताओं जैसे भोजपुर, कलीयालगंज आदि ने शासन किया। कई युद्धों और सत्ता संघर्ष के दौर से बिहार गुजरा।

---

5. ब्रिटिश शासन काल (1765–1947)

5.1 अंग्रेजों का आगमन

1765 में बंगाल के साथ बिहार पर भी ईस्ट इंडिया कंपनी का नियंत्रण स्थापित हुआ। शुरुआत में अंग्रेजों का मुख्य ध्यान व्यापार था, लेकिन बाद में उनका शासन राजनीतिक रूप से मजबूत हुआ।

5.2 सामाजिक–आर्थिक चुनौतियाँ

ब्रिटिश शासन में बिहार में ज़मीन व्यवस्था और कृषि उत्पाद सुधार के नाम पर कठोर नीतियाँ लागू हुईं। किसानों पर भारी बोझ पड़ा और असंतोष बढ़ा। इस दौरान कई विद्रोह हुए, जिनमें से चम्पारण सत्याग्रह (1917) सबसे प्रसिद्ध है। महात्मा गाँधी ने किसानों के लिए सत्याग्रह की शुरुआत यहां से की।

5.3 विभाजन और प्रशासन

1912 में बंगाल प्रेसीडेंसी से अलग कर बिहार-उड़ीसा प्रांत का गठन हुआ। उसके बाद **1936** में बिहार अपने अलग प्रशासनिक इकाई के रूप में स्थापित हुआ।

---

6. आधुनिक काल (1947 के बाद)

6.1 भारत की आज़ादी और बिहार

15 अगस्त **1947** को भारत आज़ाद हुआ। बिहार भारत का एक पूर्ण राज्य बन गया और भारतीय संविधान लागू होने के बाद यह संविधानिक राज्य के रूप में माना गया।

6.2 राज्य पुनर्गठन (2000)

2000 में भारत सरकार ने बिहार पुनर्गठन अधिनियम पारित किया, जिसके बाद बिहार से दक्षिणी क्षेत्र अलग होकर नया राज्य झारखंड बना।

6.3 सामाजिक और राजनीतिक बदलाव

स्वतंत्रता के बाद से बिहार के सामाजिक ढांचे, राजनीति और अर्थव्यवस्था में बड़े बदलाव आए। जाति-राजनीति, भूमि सुधार, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दे राज्य की राजनीति का हिस्सा बने।

---

7. सांस्कृतिक और सामाजिक योगदान

7.1 शिक्षा और विश्वविद्यालय

बिहार प्राचीन शिक्षा का केंद्र रहा। नालंदा और विक्रमशिला विश्वविद्यालय विश्व के सबसे प्राचीन और प्रमुख विश्वविद्यालयों में से थे। यहाँ शिक्षा, दर्शन, भौतिकी, गणित और साहित्य पर शोध और शिक्षा होती थी।

7.2 धर्म और दर्शन

बिहार बौद्ध और जैन धर्म का प्रमुख केन्द्र रहा। इसके अलावा हिन्दू परंपरा, लोक संस्कृति और त्योहारों ने इसकी सांस्कृतिक पहचान को मजबूत किया।

7.3 महान हस्तियाँ

बिहार से जुड़ी प्रमुख हस्तियों में सम्राट अशोक, चंद्रगुप्त मौर्य, आर्यभट्ट, डॉ. राजेंद्र प्रसाद (भारत के पहले राष्ट्रपति) शामिल हैं।

---

8. निष्कर्ष

बिहार का इतिहास प्राचीन काल से आधुनिक काल तक एक बहुत समृद्ध यात्रा है। वैदिक संस्कृति से शुरू होकर यह धर्म, शिक्षा, राजनीति और सामाजिक सुधार की भूमि रहा है। आज यह शिक्षा, राजनीति,

सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक संघर्ष का प्रतीक है, जिसने भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान बनाया।